

मध्य प्रदेश की सौर ऊर्जा क्षमता 11 गुना बढ़ी

चर्चा में क्यों?

- 4 सितंबर, 2023 को मध्य प्रदेश के जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश में नरितर पर्यासों के परणामस्वरूप पछिले दशक में नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में 11 गुना की बढोतरी हुई है। यह राज्य की स्थापति क्षमता का लगभग 24 परतशित है।

प्रमुख बढि

- जानकारी के अनुसार प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षमता 52 परतशित बढी है। वर्तमान में 1000 मेगावाट क्षमता के सौर पार्क संचालति हैं और 1778 मेगावाट के पार्क जल्द ही शुरू हो जाएंगे।
- इसके साथ ही 3350 मेगावाट क्षमता की परयोजनाएँ लागू होने की प्रारंभिक स्थिति में हैं। इनमें एक हजार मेगावाट क्षमता की सोलर पार्क परयोजनाएँ (250 मेगावाट की मंदसौर सोलर पार्क तथा 750 मेगावाट की रीवा सोलर पार्क) शामिल हैं।
- वदिति है की रीवा मेगा पार्क को नवाचारी पर्यासों की वजह से कई पुरस्कार भी मलि चुके हैं। इसने परतशि इकाई 2.97 रुपए की न्यूनतम मूल्य दर हासलि की। इसे वशिव बैंक के प्रेसीडेंट अवॉर्ड से सम्मानति कथिा गया है।
- वर्तमान में 1778 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परयोजनाओं में 1500 मेगावाट की आगर-मालवा, शाजापुर और नीमच सोलर पार्क तथा 500 मेगावाट की नीमच पार्क परयोजना शामिल हैं।
- भवषिय की परयोजनाओं में वशिव के सबसे बड़े ऑकारेश्वर जलाशय में 600 मेगावाट फ्लोटिंग का सोलर पार्क शामिल है। इससे साल के अंत तक पूरी तरह से उत्पादन शुरू हो जाएगा।
- इसके अलावा 3350 मेगावाट क्षमता की परयोजनाओं में 1400 मेगावाट की मुरैना और 450 मेगावाट की छतरपुर पार्क और बीरसहिपुर जलाशय, इंदरि सागर जलाशय तथा गांधीसागर जलाशय में 1500 मेगावाट की फ्लोटिंग सोलर परयोजनाएँ शामिल हैं।
- मध्य प्रदेश वदियुत की कमी की स्थतिको समाप्त कर भरपूर बजिली उपलब्धता की स्थतिको आ गया है। थोड़े ही समय में, मध्य प्रदेश भारत के नवकरणीय ऊर्जा के नक्शे पर चमक रहा है। राज्य सरकार की सुस्पष्ट नीतियों और मजबूत नेतृत्व के साथ मध्य प्रदेश भारत की नवकरणीय ऊर्जा का मुख्य केंद्र बनने की ओर कदम बढा रहा है।

मध्य प्रदेश में बढती सौर ऊर्जा क्षमता (मेगावाट में)



